राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 280
नागराज और
थोडांगा
मुफ्त
नागराज का एक
पोस्टर

नागराज
और
थोडांगा
* लेखक : संजय गुप्ता
* संपादन : मनीष चंद्र गुप्त
* चित्रांकन : सुलीक स्टूडिओ
सम्राट थोडांगा
तन्जानिया के जंगलोंका बेताज बादशाह
जंगल का सबसे क्रूर व हिंसक जानवर कहते हैं उसे।
हाथियोंको तो वह यूं काटता है, जैसे लोग भेड़-बकरियां काटते हैं।
थोडांगा को रोज एक हाथी का मांस खाने के लिये चाहिए इसलिए थोडांगा की घाटी में कोई जीवित हाथी नहीं मिलता।

थोडांगा ने एकाएक हाथी के मीट का वह टुकड़ा नोंचना बन्द किया।
यह शायद संकेत था जिपा के लिए—
ओह! सम्राट के दंगल का समय हो गया
जिपा ने पिंजरे का द्वार खोल दिया।
थोडांगा गैंडोंवाले जंगले में प्रवेश कर गया
और…इन्सानी गैंडा दो गैंडों के सामने खड़ा था—
तुममें से पहले कौन मरेगा?

अपने महादुश्मन को सामने देखते ही दोनों गैण्डे क्रोध से बिफरे थोडांगा पर झपटे –
ओह! दोनों एक साथ ही आ रहे हैं! आओ-आओ।
गरर्र

थप्प
थप्प

घाड़
गरर्र
गरर्र
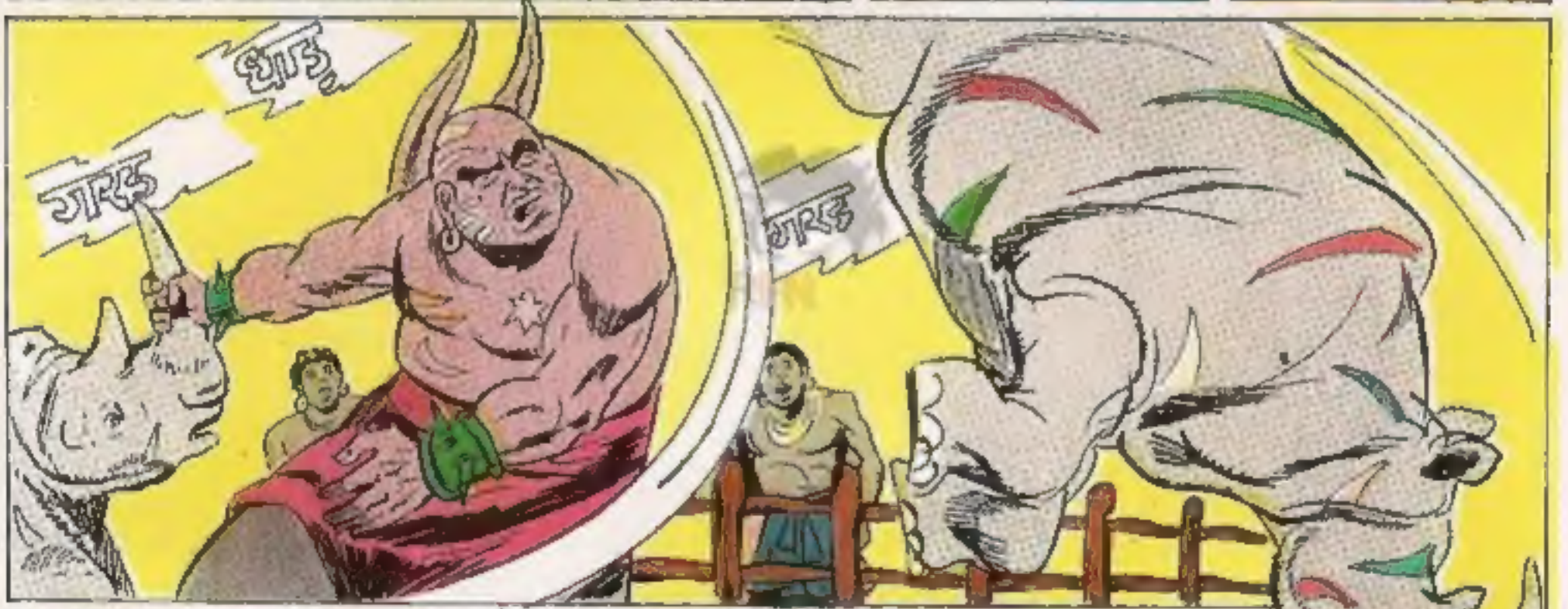
दूसरे गैंडे को भी सींग से पकड़कर उठा लिया थोड़ांगा ने–
गरर्र
अब तुझे तेरे यार के पास भेजूंगा गैंडे

भड़ाक
गरर्र

थोडांगाने भयंकर हुंकार भरी। आश्चर्य-जनक रूप से उसका सिर गर्दनमें समा गया, फिर —
तू तो गया अब बेटे!
भड़ाक
इसी क्षण दूसरे गैंडेने थोडांगा के टक्कर जड़ दी।
पट से थोडांगा का सिर बाहर निकला —
थोडांगा से मजाक करता है।
तू पहला और आखरी गैंडा है, जिसने थोडांगापर वार किया।
सम्राट थोडांगा
सम्राट थोडांगा
सम्राट थोडांगा

'काबुकी के खजाने' के विषय में जानने के लिये पढ़ें: 'नागराज और काबुकी का खजाना'

तभी —

सम्राट थोडांगा! सम्राट थोडांगा!

ग... गुंटारा! गुंटारा मर गया सम्राट थोडांगा!

गुंटारा मर गया! क्या बक रहा है हरामजादे!

कैसे मर गया गुंटारा?

स... सम्राट...!
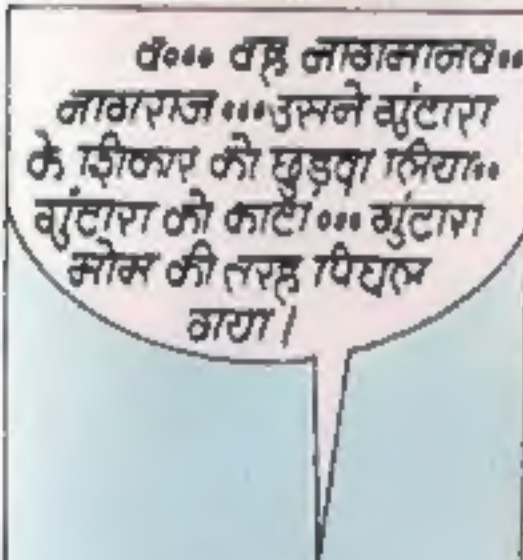
व... वह नागमानव.. नागराज... उसने गुंटारा के शिकार को छुड़वा लिया.. गुंटारा को काटा... गुंटारा मोम की तरह पिघल गया।

नहीं!

नहीं जिपा! नागराज के लिए तेरी एक चोट काफी नहीं थी! वरना वो उस फॉरेस्ट ऑफिसर हेवियल को बचाने कैसे पहुंच जाता?
उफ! तेरी एक गलती से बुंटारा मौत के मुंह में समा गया।

मुझे क्षमा करें सम्राट थोडांगा! मैंने नागराज की शक्ति को कम आंका था।
उफ! लेकिन नागराज को बुंटारा घाटी तक पहुंचाने में जरूर किसी जंगली कबीले ने मदद की है।

स... सम्राट थोडांगा! म... मैंने मकालू के स... सरदार ओसाका को ब... बुंटारा की घाटी के निकट देखा था।
मकालू सरदार... ओसाका!

मकालू जाओ। अपने हथौड़े को मकालू के बच्चे-बच्चे के खून से नहला दो। जाओ जिपा!

ठीक उसी पल—
स... सम्राट?
तुम... ? गौंडा कहां है?

सम्राट ••• ह ••• थोडांगा! हमने गौंडे को लगभग पकड़ लिया था। लेकिन तभी उस नागराज ने••• सम्राट••• उसके अन्दर से सांप छूटते थे। उसने हमें मार-पीट कर हमसे गौंडे को बचा लिया।
नागराज! मैं तुझे कच्चा चबा जाऊंगा।
क्रुद्ध थोडांगा ने उन जंगलियों को गौंडों के पांव तले कुचलवा दिया—
फिर—
जिपा! रिसी नाम की वह सुन्दरी कहां है? उस फॉरेस्ट ऑफिसर की बीवी है न जो!
सम्राट थोडांगा! उसे गुफा में कैद किया है मैंने।
और फिर चल पड़ा जिपा मौत का ताण्डव मचाने मकालू की ओर—
उधर नागराज डेनियल के साथ गुंटारा की घाटी से बाहर निकला—
अब हमें थोडांगा की घाटी पहुंचना है।
नागराज! यहां के जंगली कबीलों का बच्चा-बच्चा थोडांगा की घाटी का पता जानता है•••
•••लेकिन थोडांगा के भय से कोई अपनी जुबान नहीं खोलेगा।
मकालू का सरदार ओसाका जरूर हमारी मदद करेगा।
ठीक उसी क्षण मकालू कबीले पर तबाही दस्तक दे रही थी—
शिप्प!

कहते हैं जिपा का हथौड़ा जब उठता है तो तबाही आ जाती है।

लाशों के ढेर लग जाते हैं।

सम्राट थोडांगा से नमक हरामी? आज के बाद कोई ये दुःसाहस नहीं करेगा।

??

और लाशों के ढेर लग भी गए।

ज़ीपा कभी भीख देता भी नहीं हरामजादे!
आह!...
और —
अब हथौड़े के एक ही वार में मैं तुम सबको हमेशा के लिए ज़ीपा के आतंक से मुक्त कर दूंगा!...
...और तुम्हारी लाशें सम्राट थोडांगा से नमकहरामी करने वाले दूसरे कबीलों के लिए सबक होंगी। हा हा हा हा।
एक साथ कई चीखें गूंज उठी —
हा हा हा! क्यों ओसाका! कैसा लगा दृश्य?
कमीने ज़ीपा! नागराज को पता लगेगा तो वो तुझे तड़पने का भी मौका नहीं देगा।
मगर मैं तुझे तड़पने का पूरा मौका दूंगा ओसाका!
लेकिन ज़ीपा का हथौड़ा नीचे नहीं आ पाया —
नागराज! नागराज! तुम आ गए नागराज! खत्म कर दो इस कमीने को।
इसने मेरे पूरे कबीले को श्मशान बना डाला है।
नागराज
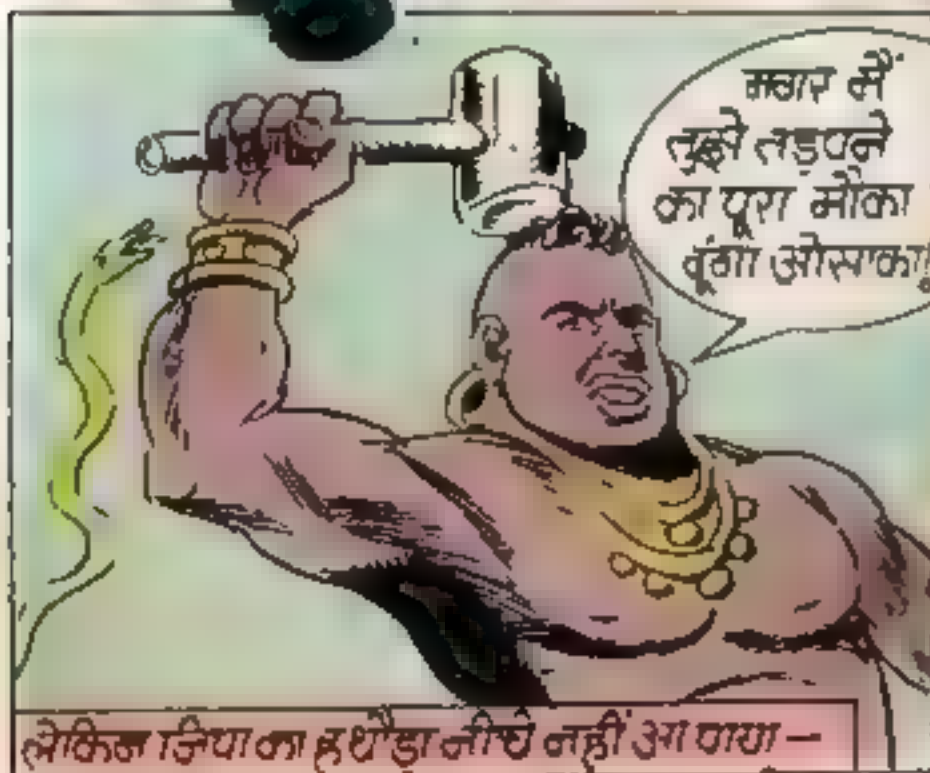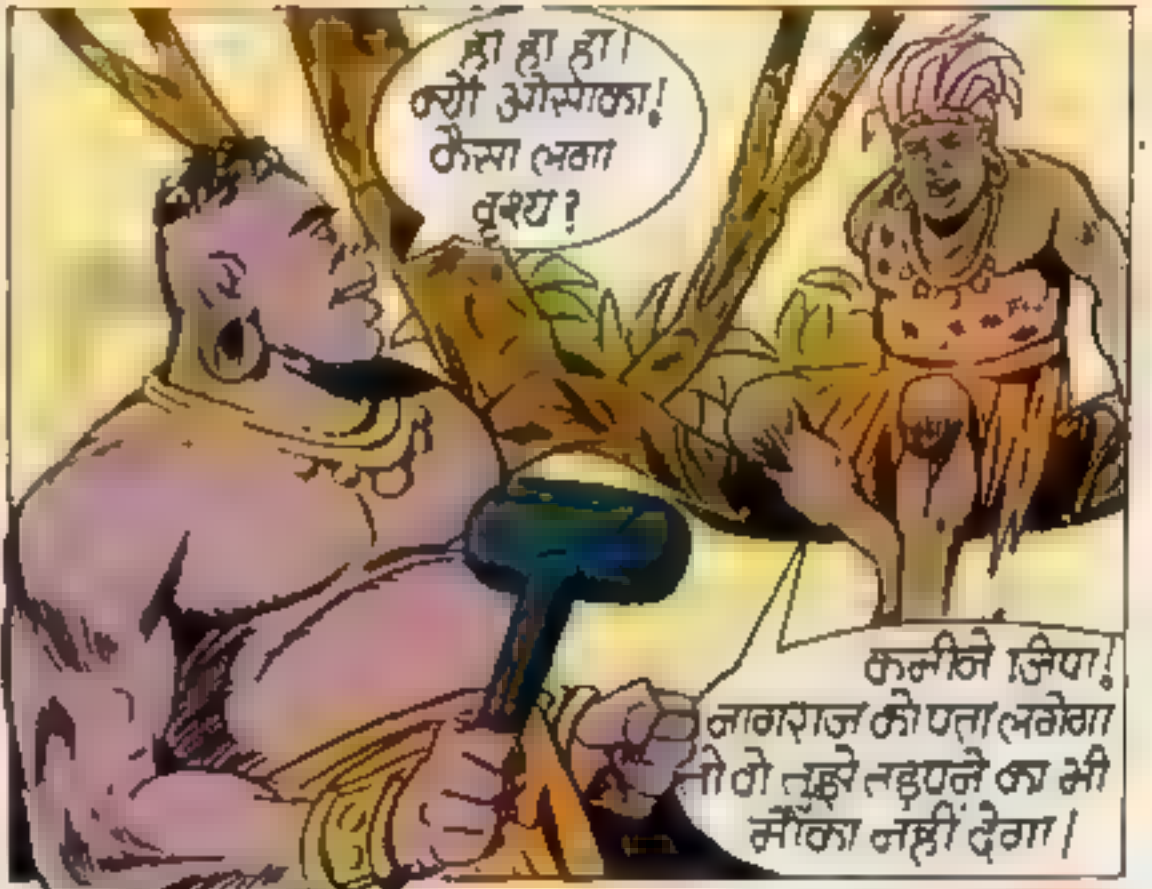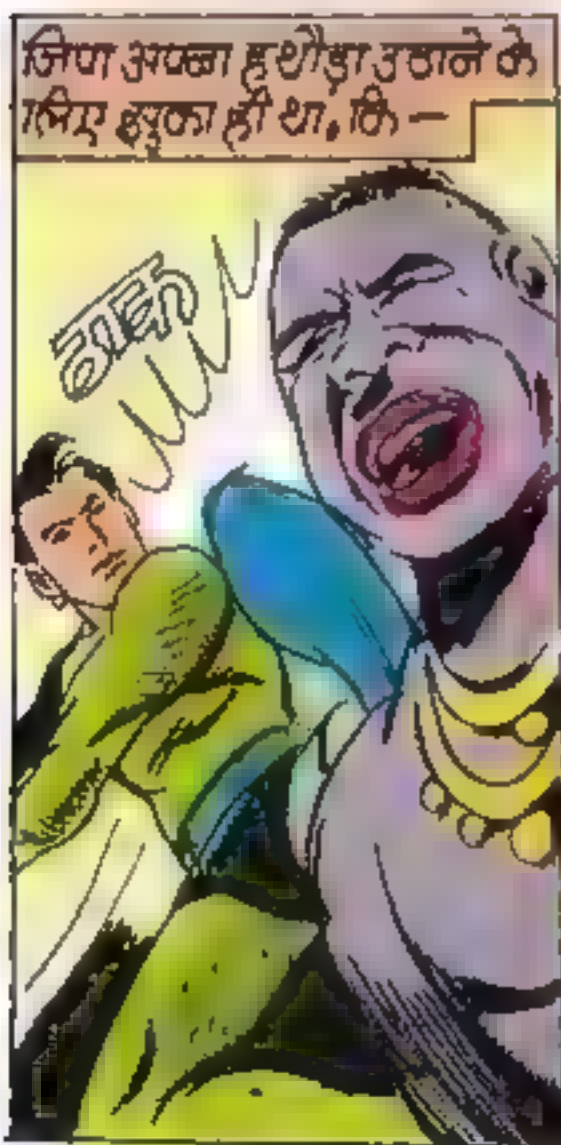
जिपा अपना हथौड़ा उठाने के लिए झुका ही था, कि —

आह

अगला वार करने का मौका नहीं मिला उसे —

नागराज! अपने भगवान को याद कर ले।

नागराज की आंखों के आगे अंधेरा छाने लगा —

ओह! इसने मुझे ऐसे दाव में जकड़ लिया है कि दस फीट के इस राक्षस के शरीर में मैं अपने दांत भी नहीं गड़ा सकता।

तभी —

अरे! यह हमला किसने किया? कौन है मेरा मददगार?

हमलावर को देखते ही नागराज को आश्चर्य का झटका लगा—
अरे! यह तो सतरंगा है!
वाह दोस्त! आज तुम्हारे कारण नागराज के प्राण बच गए!

गैंडे को देखते ही जिपा ने एक भयंकर हुंकार भरी। ठीक इसी पल गैंडा पुनः जिपा पर झपटा—

जिपा ने गैंडे को सींग से पकड़ लिया—
तू भी सम्राट टोंगाला से नमक हरामी पर उतर आया हरामजादे!

तभी—
ठाक
यह करामात थी कम्मी की।
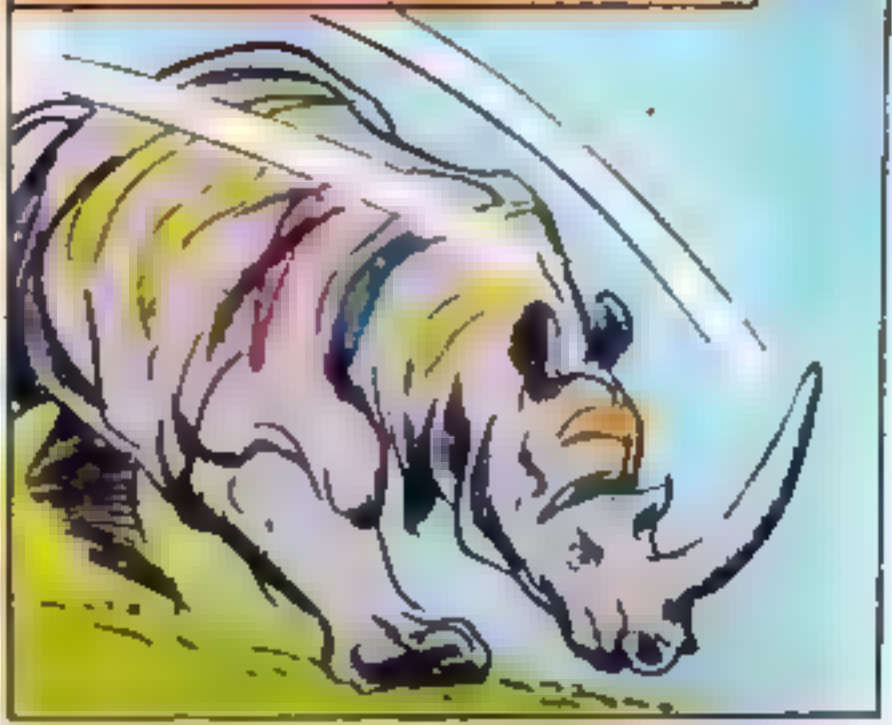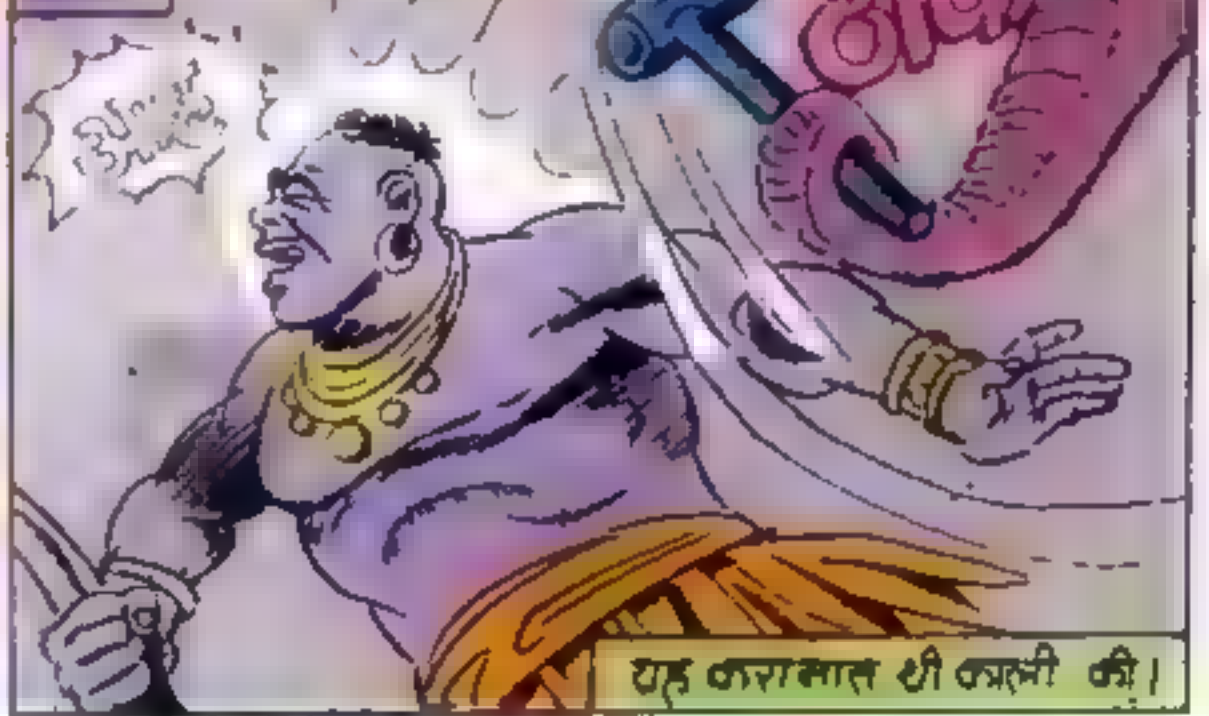
हथौड़े की चोट से उछलकर जिपा गैंडे पर गिरा। गैंडे ने उसे सींगों पर रखकर उछाल दिया—

कम्मी ने सूंड में जकड़ा हथौड़ा एक बार फिर घुमाया—
शाबास कम्मी!
आऽऽऽऽऽ

हथौड़े की चोट से जिपा उछला तो गैंडे का सींग उसकी पीठ में जा घुसा—
चर्रर्र
आह! मरा!

इसी पल नागराज के हाथ से निकलकर जिपा की गर्दन को कस लिया नागरस्सी ने —
जिपा! तू तो जानवर कहलाने के भी लायक नहीं।
देख, जानवर कितने मददगार साबित होते हैं।

इस बार जिपा नीचे गिरा, तो फिर उठ न सका —
काली••• सतर्को! दोस्तो! आज तुमने अपनी दोस्ती का फर्ज खूब निभाया। नागराज तुम्हें हमेशा याद रखेगा।
नागराज! ओसाका शायद बेहोश हो गया है।

नागराज व डेनियल ने ओसाका को नीचे उतारा। काली सूंड में पानी भर लाया, और —
वाह, काली!
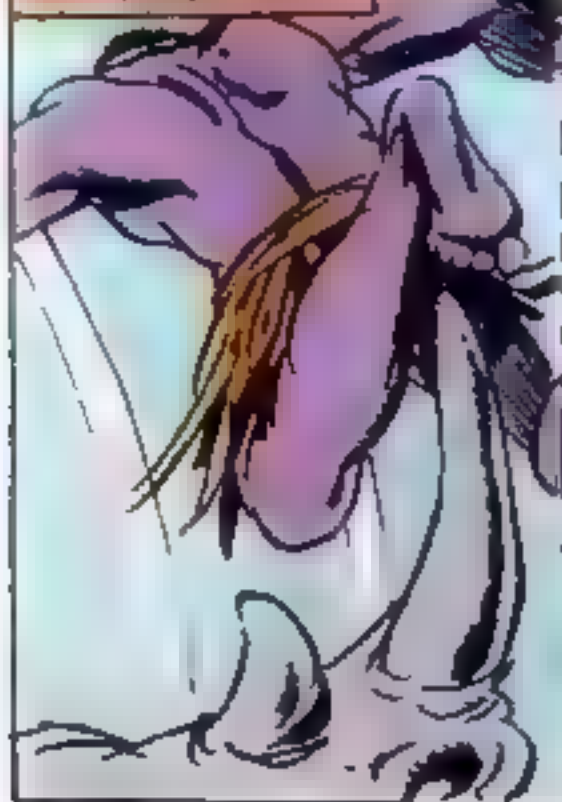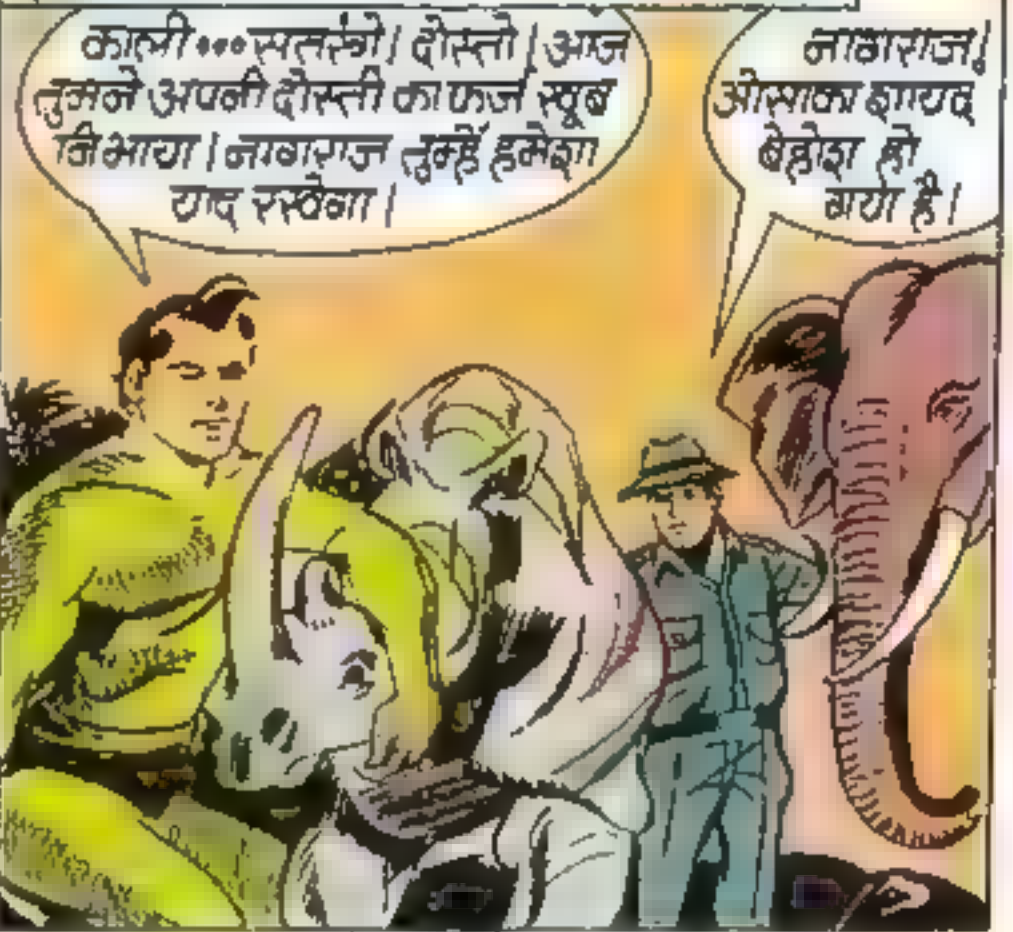
जल्दी ही ओसाका को होश आ गया —
आह! क्या जिपा मारा गया?
हां, सरदार ओसाका! वह पड़ी उस कमीने हत्यारे की लाश।

थोडांगा का भी यही हश्र होना है ओसाका! लेकिन यह तब होगा जब तुम हमें थोडांगा की घाटी ले जाओगे।
हां--हां! अपनी जान की परवाह नहीं मुझे! मैं तुम्हें वहां जरूर ले जाऊंगा नागराज!

उधर थोडांगा की घाटी में थोडांगा उस समय उछल पड़ा —
जीवित काबुकी! थोडांगा की घाटी में जीवित काबुकी?

सच है थोडांगा! हमने इस हाथी को घाटी में घुसते ही पकड़ने की भरपूर चेष्टा की... लेकिन इस पर हमारी जोर-जबरदस्ती का कोई असर नहीं हुआ।
क्या?

एकाएक ही व्हेल की तरह उछलकर वह टब से बाहर निकल आया—
ओह! इसका मतलब... इसका मतलब ये काबुकी...? गुरु एलिफेंटा ने "वो" काबुकी ढूंढ लिया!

इसी क्षण आंखों को चकाचौंध कर देने वाला तीव्र प्रकाश फैल गया, और प्रकट हुआ एक अक्स—
वत्स थोडांगा!
गुरु एलिफेंटा! प्रणाम गुरुदेव!

हम अपने मकसद में कामयाब हो गए हैं वत्स थोडांगा! कई महीनों की तपस्या के बाद हमने इस काबुकी को ढूंढ लिया है।

लेकिन अब तुम देर मत करो वत्स थोडांगा! ये काबुकी कुछ ही दिनों का मेहमान है। केवल यही ये काबुकी, तुम्हें वहां ले जायेगा, जहां केवल हाथी ही पहुंच सकते हैं। केवल हाथी!

थोडांगा भयानक ढंग से अट्टहास कर उठा—
गुरु एलिफेंटा अपने मकसद में कामयाब हो गए! वो हाथी ढूंढकर मुझ तक पहुंचा दिया, जो मरने वाला है। हा हा हा!

हाथी पर चढ़ बैठा थोडांगा, तभी—
सम्राट थोडांगा! जिया... जिया?
??

क्या हुआ जिया को? कहां है वो?
सम्राट थोडांगा जिया की भाग... वहां मकालू कबीले में...!

नहीं!
मैंने वहां सरदार ओसाका के साथ नागराज को देखा है, सम्राट थोडांगा!

नागराज! ओह! जिया को भी मार डाला उस हरामखोर ने!
ओसाका को लेकर वह थोडांगा की घाटी आए, उससे पूर्व ही मुझे यहां से कूच कर जाना चाहिए!
??

सुनो! चारों तरफ फैल जाओ! वो कमीने इसी तरफ आयेंगे। घाटी में कदम रखते ही भून डालो उन्हें!

फिर—
आह! छोड़ दे मुझे कमीने!
तुम मेरे साथ चलोगी रिसी!

छोड़ कमीने! आह!
अगर उन्होंने मेरा रास्ता रोकने की चेष्टा की तो इसकी जान लेने की धमकी उनके कदमों में बेड़ियां डाल देगी।

बड़ी मुश्किल से हाथ लगा है ये जाबुकी! मैं यह सुनहरी मौका लड़ाई-झगड़े में नहीं गंवा सकता।
उफ! इसकी गैंडे जैसी खाल पर मेरे मुक्के का कोई असर ही नहीं हो रहा।

इधर नागराज, डेनियल व ओसाका के साथ हाथी पर सवार थोहांगा की घाटी के निकट आ पहुंचा—
नागराज! उस हाथी की शक्ल की भारी चट्टान के पीछे से रास्ता जाता है थोहांगा की घाटी को।
ओह! हम थोहांगा के एरिया में हैं। डेनियल सावधान रहना। तुम भी ओसाका।

लेकिन अभी वे उस चट्टान से कुछ दूर ही थे कि—
खतरा!
ढुर्र्व
ढुंग ढुर्र्व

उफ!
बचो सरदार! डेनियल
धींच
धींच

दोबारा फायरिंग का मौका नागराज ने उन्हें नहीं दिया—
हिस्स
फुस्स
आह!
आह

सर्परस्सी पर झूलता हुआ नागराज जंगलियों के लिए कहर बन गया —
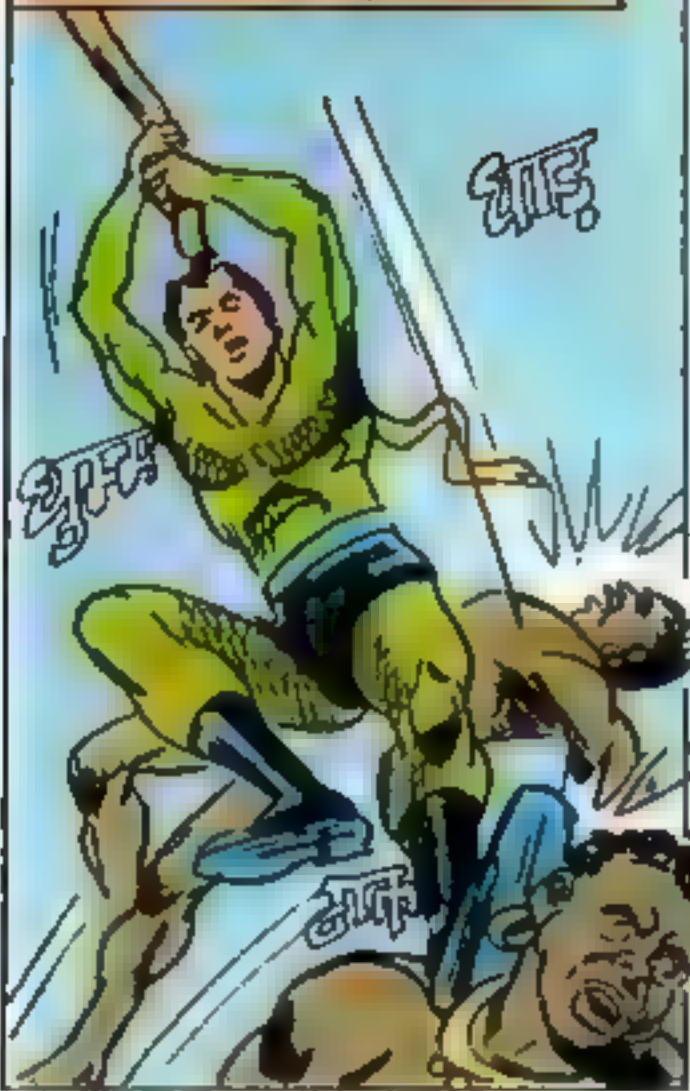
पेड़ के पत्तों में छिपा जंगली नागराज की विष बुझी निगाहों से बच न सका, और –

दर्द से चिंघाड़ता काली नीचे बैठ गया –
नहीं काली नहीं! कदम-कदम पर साथ दिया है तूने हमारा! मंज़िल पर पहुंच-कर साथ छोड़ रहा है तू!
उफ!

फिर एकाएक ही सुलग उठा नागराज –
तेरी कसम काली! इस घाटी में अब एक भी घोड़ांगा का कुत्ता जीवित नहीं बचेगा!
आगे बढ़ते जंगलियों पर मौत बनकर टूट पड़ा नागराज –
थड़
आऽऽऽ

डेनियल ने गोली वर्षा कर दी –

एक जंगली रंगीन गैंडों के पिंजरे तक जा पहुंचा, और –
जाओ! कुचल डालो दुश्मनों को!
गरड़

गैंडों के साथ भागने से मानो धरती पर भूचाल आ गया –
गरड़ थरड़
थरड़ड़

भूचाल का कम्पन महसूस करते ही चौंककर पलटा नागराज—
नागराज! ये हमें कुचल डालेंगे!
ओह! थोडांगा के रंगीले गैंडे! ये सब इसी तरफ आ रहे हैं!

लेकिन इससे पूर्व कि एक भी गैंडा उन तक पहुंच पाता—
सतरंगा!

और दूर से न जाने क्या कहा सतरंगे ने कि सभी गैंडे नागराज के आगे नतमस्तक हो गए—
उफ! ऐसा चमत्कार डेनियल ने पहले कभी नहीं देखा!
सतरंगे ने दोबारा हमारी मदद की है डेनियल!

फिर कुछ मिनट की तलाशी के बाद बचे-खुचे ये ही लोग मिल सके—
इनमें सिसी तो कहीं नहीं है नागराज!
अभी पता लग जाएगा!

नागराज! हमें छोड़ दो! हम थोडांगा के साथ काम करने पर मजबूर थे! वरना वह हम पर जुल्म करता!
ठीक है! पहले यह बताओ कि थोडांगा कहां है?
थोडांगा काबुकी पर सवार होकर कैदी युवती सिसी के साथ काबुकी का खजाना लेने गया है!...
...उसके बाप एलिफेंटा ने अपने योग बल पर उसे एक ऐसा काबुकी ढूंढ दिया था, जो कि मरने वाला है!

ओह!
अब क्या होगा नागराज? हम काबुकी के खजाने तक कभी नहीं पहुंच पायेंगे!
मिसी को अब हमेशा के लिए खो चुका हूं मैं!

हिम्मत मत हारो डेनियल! ईश्वर पर भरोसा रखो! वह अवश्य कोई रास्ता...
चीं SSS

बुरी तरह चौंककर पलटा नागराज—
चीं SSS
काली!

नागराज! ये हमसे कुछ कह रहा है!
ये हमें अपनी पीठ पर बैठने का संकेत कर रहा है डेनियल!

दोनों को लेकर चल पड़ा काली—
ये जा कहां रहा है?
इसके माथे पर गोली लगी है! उफ!

तंजानिया के भयानक जंगल! जहां सूर्य की रोशनी का एक जर्रा भी नहीं पहुंच पाता! काली नागराज व डेनियल को लिए निकला जा रहा था—
उफ! इतना अंधेरा!
हाथ को हाथ सुझाई नहीं देता!

फिर एकाएक जंगल तेज रोशनी से नहा उठा! कांप उठे नागराज व डेनियल वह दृश्य देखकर—
उफ! अंगारों की धरती! काली अंगारों पर चल रहा है!
चिंघा SSS
असहनीय पीड़ा सहता काली बढ़ता रहा!

दोनों सांस रोके उसकी पीठ पर चिपके रहे —
कैसे-कैसे मायाजाल हैं अफ्रीका के इन जंगलों में। धरती ही अंगारा बनी है।
गर्मी भी कितनी है। उफ! किंतु ये काली जा कहां रहा है?
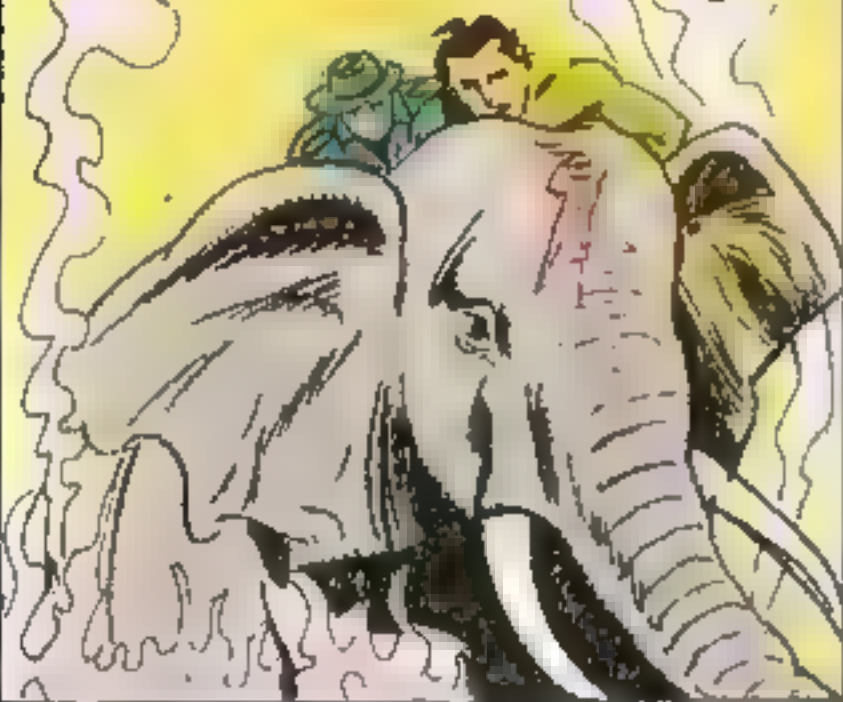
अंगारों की धरती से निकलकर काली पहुंच गया नुकीली, विषैली, कंटीली झाड़ियों में —
आदमकद कंटीली झाड़ियां?
एक फीट लम्बे नुकीले कांटे मैंने आज तक नहीं देखे।
लम्बे जहरीले कांटे काली की सख्त खाल को भी चीरते चले गए —
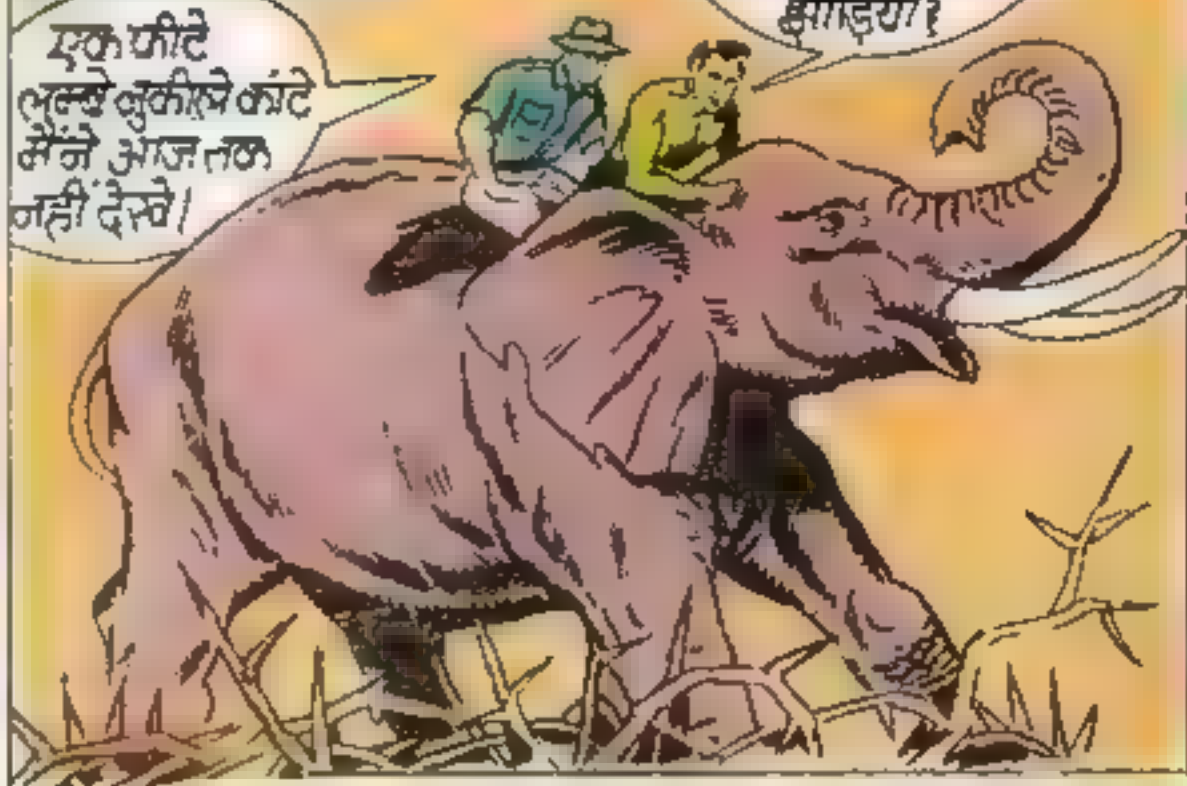
काली के कांटों की घाटी से बाहर निकलते ही दोनों की आंखें एक बार फिर आश्चर्य से फैल गई —
उफ। नागराज! काली के पांवों पर सांप बिच्छू लिपटे हैं।
नहीं!
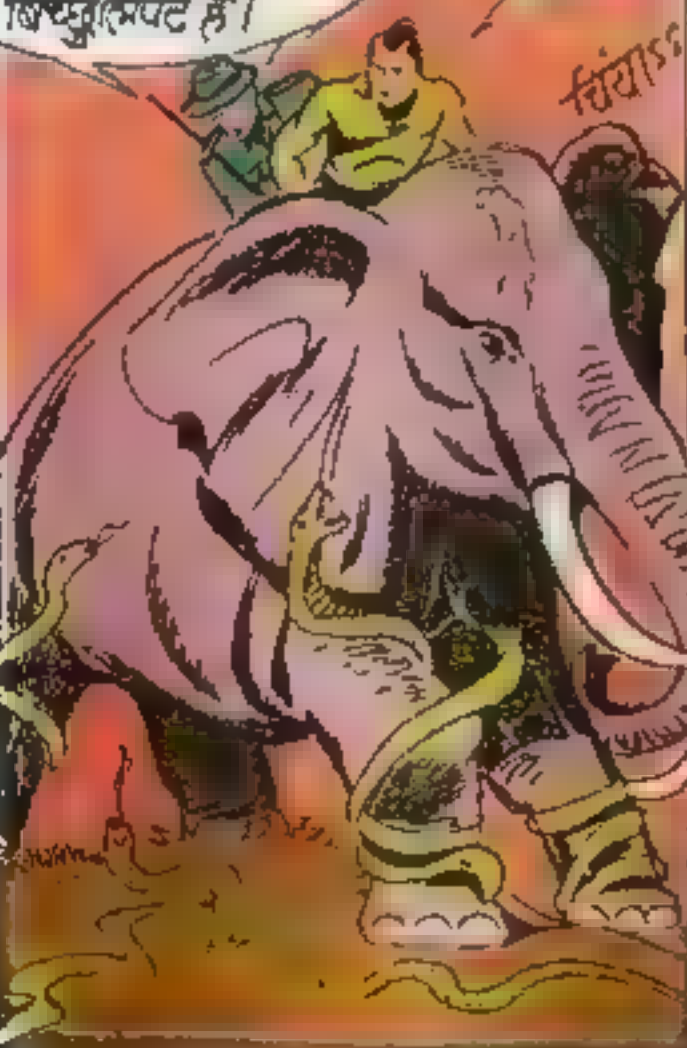
नागराज ने विष भरी फुंकार फेंकी —
इन जहरीले सांप - बिच्छुओं को काली से अलग करना होगा, अन्यथा ये ऊपर चढ़कर डेनियल को डस लेंगे!

और उधर, काली बढ़ रहा था उस नुकीली चट्टान की ओर —
आगे तो कोई घाटी लग रही है नागराज!
मुझे तो इसमें कोई रहस्य लग रहा है। काली इस प्रकार इतने खतरनाक रास्तों से होकर...

काली को गोली लगी है! कहीं काली...उफ...नहीं!
कुछ सोचते-सोचते नागराज के रोंगटे खड़े हो गए—

उधर थोडांगा का काबुकी सब बाधाओं को पारकर जहां पहुंचकर रुका—
ऊ...काबुकी का खजाना?
काबुकी का खजाना! उफ!
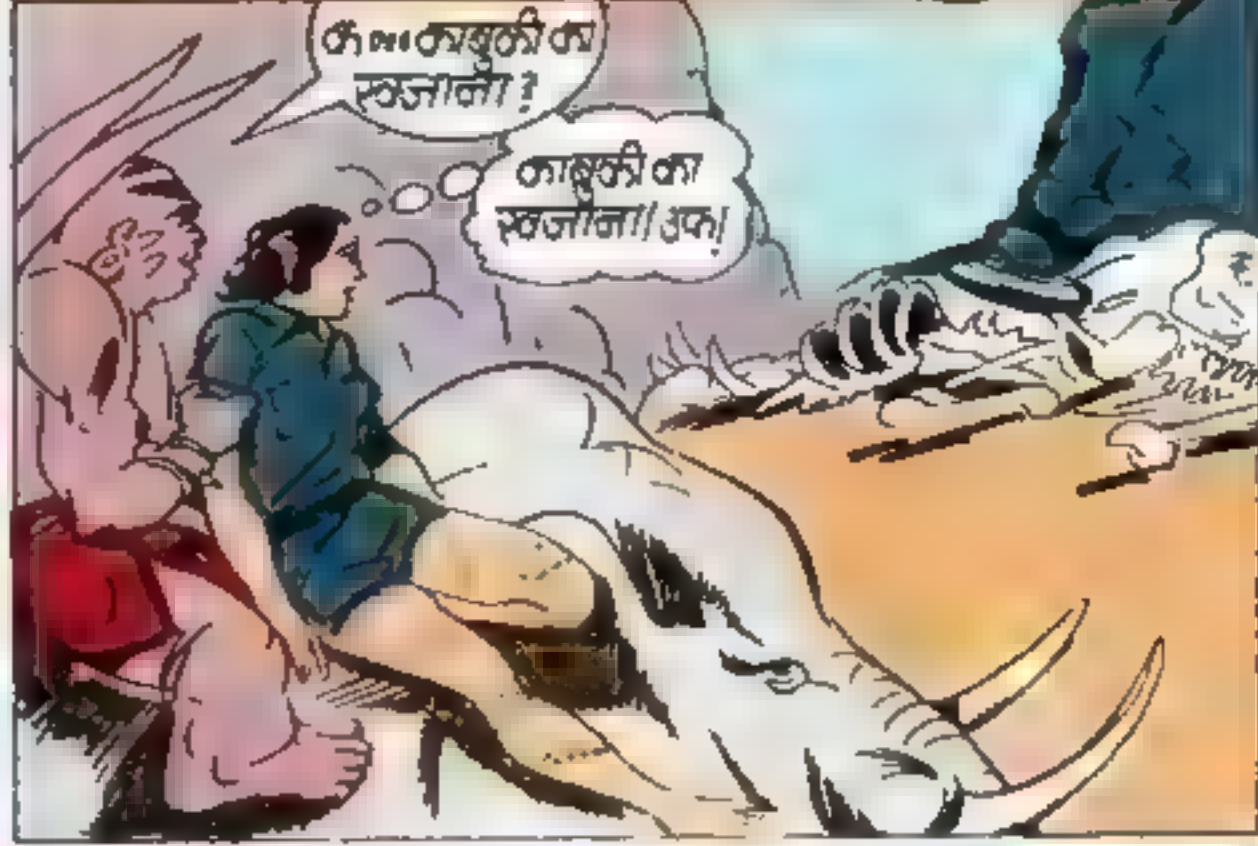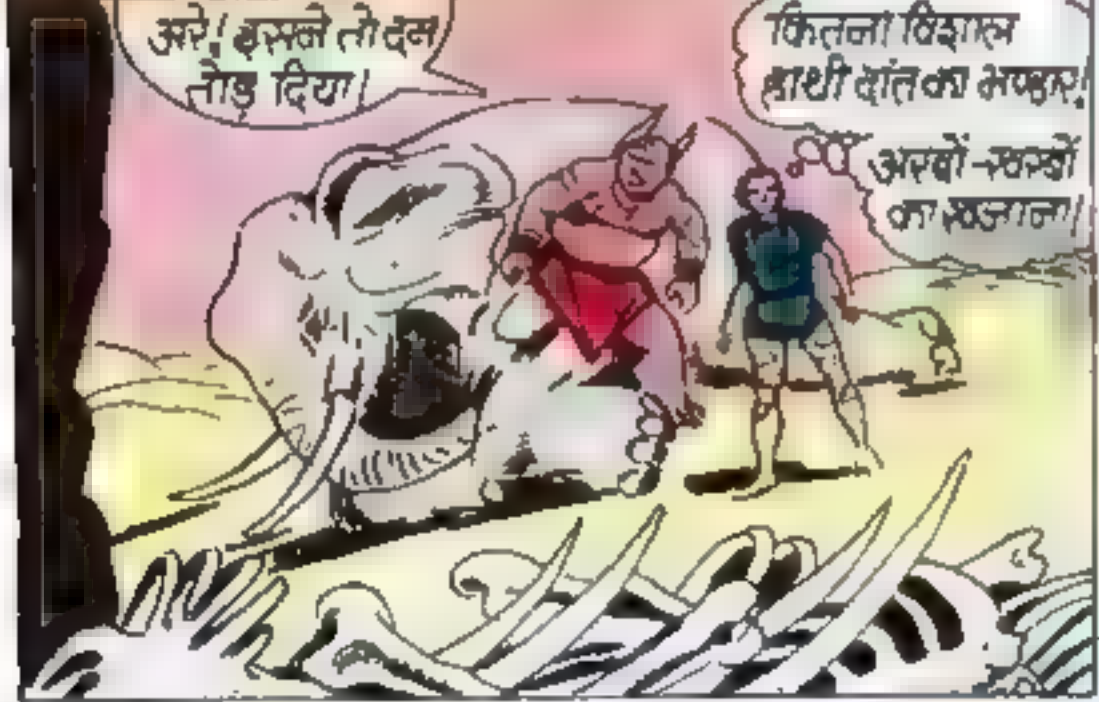
एकाएक काबुकी लड़खड़ाकर बैठ गया, और—
अरे! इसने तो दम तोड़ दिया!
कितना विशाल हाथी दांत का भण्डार!
अरबों-खरबों का खजाना!

हा हा हा! आखिर मैंने पा लिया काबुकी का खजाना!
??
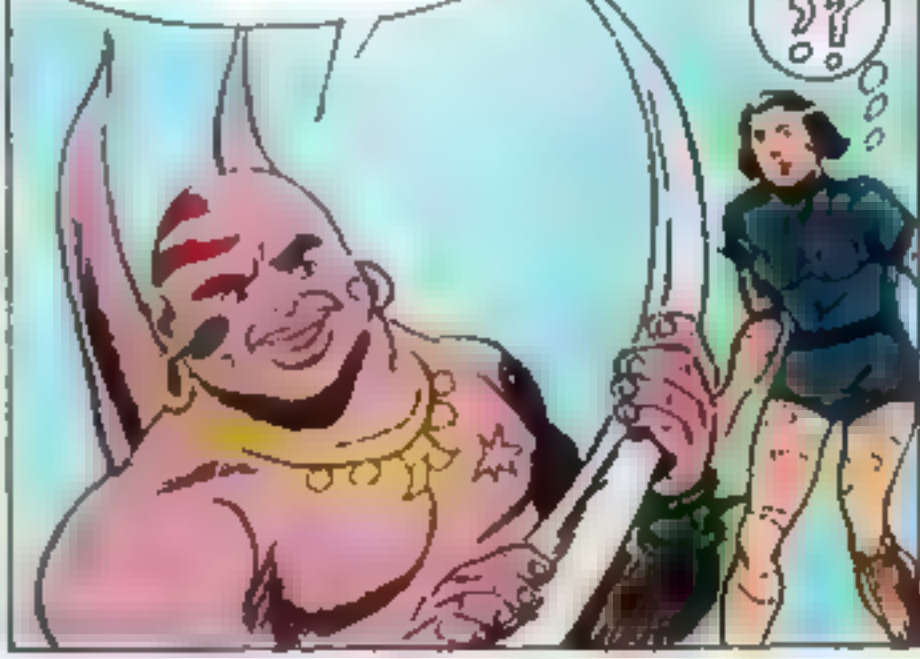
थोडांगा! ये खजाना सरकार की अमानत है!...
...देश की उन्नति व सेलस गेम रिजर्व के जानवरों की सुरक्षा के लिये इसका उपयोग होगा!

तुम बेवकूफ हो रिल्ली! कई माह से जंगलों में डेरा डाले पड़ा हूं। सिर्फ इसकी एक झलक पाने के लिए! इस पर केवल मेरा अधिकार है! हा हा हा!
लेकिन तुम इतना विशाल खजाना लेकर कैसे जाओगे?
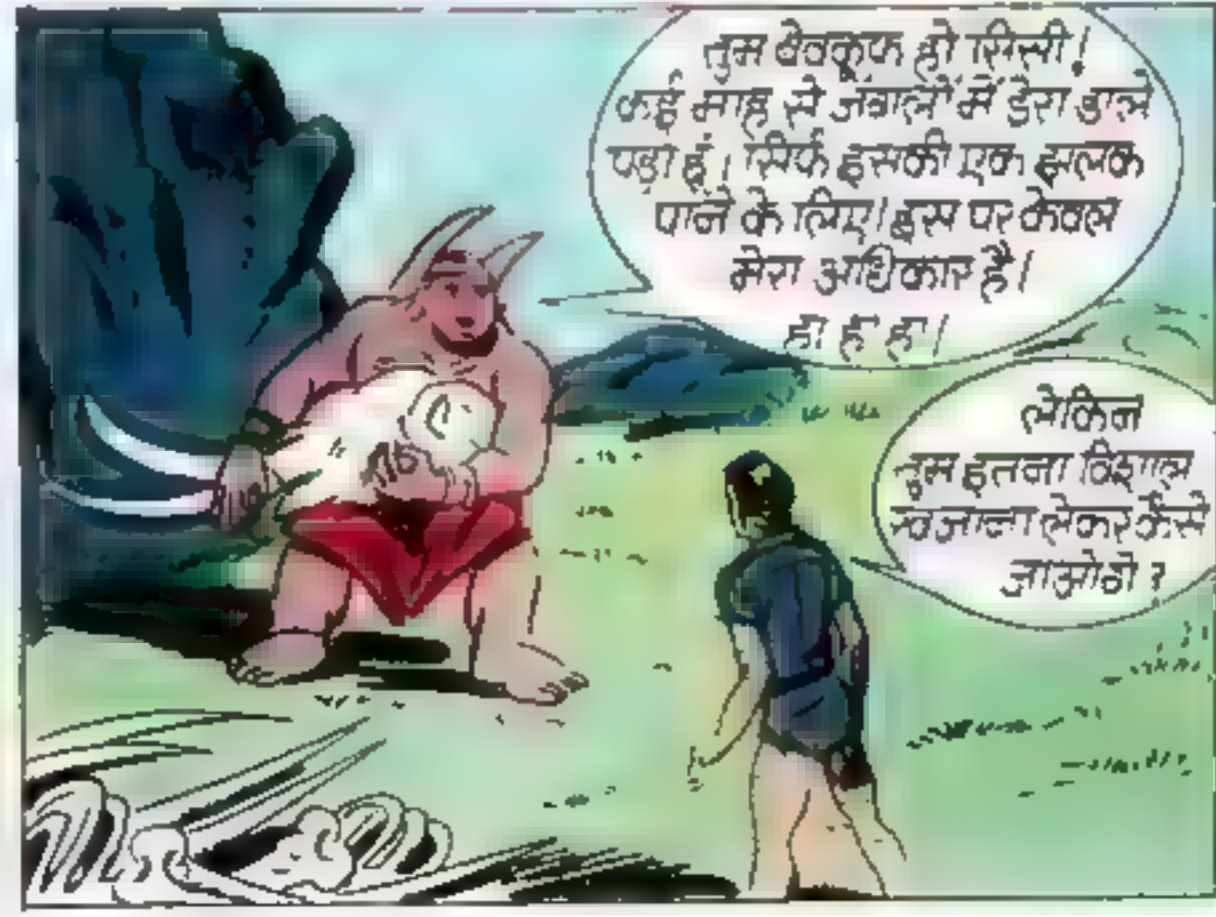
बेवकूफ लड़की! थोडांगा पहले ही इन्तजाम करके चला है। वह देख!
ओह! वह तो पूरी तैयारी के साथ आया है।

हाथियों के निकट आते ही थोडांगा जंगली भैंसे की तरह डकारा —
यह सारा खजाना हाथियों पर लादकर थोडांगा की घाटी ले चलो।
काश! मैं नागराज को किसी तरह यहां ला सकती।

इधर काली के घाटी में उतरते ही नागराज व डेनियल चमत्कृत रह गए —
काबुकी का खजाना!!
चारों तरफ बिखरा पड़ा लाखों टन हाथी दांत!

दोनों नीचे उतर आए —
काली हमें काबुकी के खजाने तक ले आया नागराज!
तो मेरा शक सही निकला। उफ काली! तुमने दोस्ती का फर्ज अदा कर दिया।

इसी क्षण काली लड़खड़ाकर गिर पड़ा —
काली! नहीं काली!

दोनों के देखते-देखते काली ने प्राण त्याग दिये —
उफ! डेनियल! काली के मस्तक पर लगी गोली इसे काबुकी के खजाने की ओर ले आई। यहीं आकर इसने अपने प्राण त्याग दिये हैं।
लेकिन मरते-मरते भी ये एक नेक काम कर गया।

तभी घाटी हाथियों की चिंघाड़ों से गूंज उठी —
हाथियों की चिंघाड़ों की आवाजें। नागराज, निकट ही कहीं बहुत से हाथी हैं।
लेकिन यहां तो केवल वही हाथी आते हैं जो मरने वाले होते हैं। कुछ गड़बड़ लगती है डेनियल, आओ मेरे साथ।

कुछ और आगे बढ़ते ही—
जल्दी! जल्दी करो!
थोडांगा! सिसी!
ओह! तो ये हमसे पहले ही यहां आ पहुंचा है!

सभी हाथी उस कुत काबली के पीछे-पीछे यहां पहुंचे हैं। अन्यथा यहां वह हाथी नहीं पहुंच सकता, जिसकी उम्र अभी लम्बी है।

थोडांगा का काफिला तैयार हो गया। तभी—
थोडांगा! कमीने! हत्यारे! मैं तुझे नहीं छोडूंगी!

ओह! यह क्या?
खटाक
आह!
तो यह तुम्हारी हरकत है। मुझे तुम्हारी यह हरकत भी पसन्द आई, सिसी! क्योंकि अब तुम्हें इन्हीं दांतों व हड्डियों के बीच रहना है। मैं तुम्हें यहीं छोड़कर जा रहा हूं सिसी!

ठीक इसी पल अपने-अपने हाथी पर चढ़ते जंगलियों में भगदड़ मच गई —
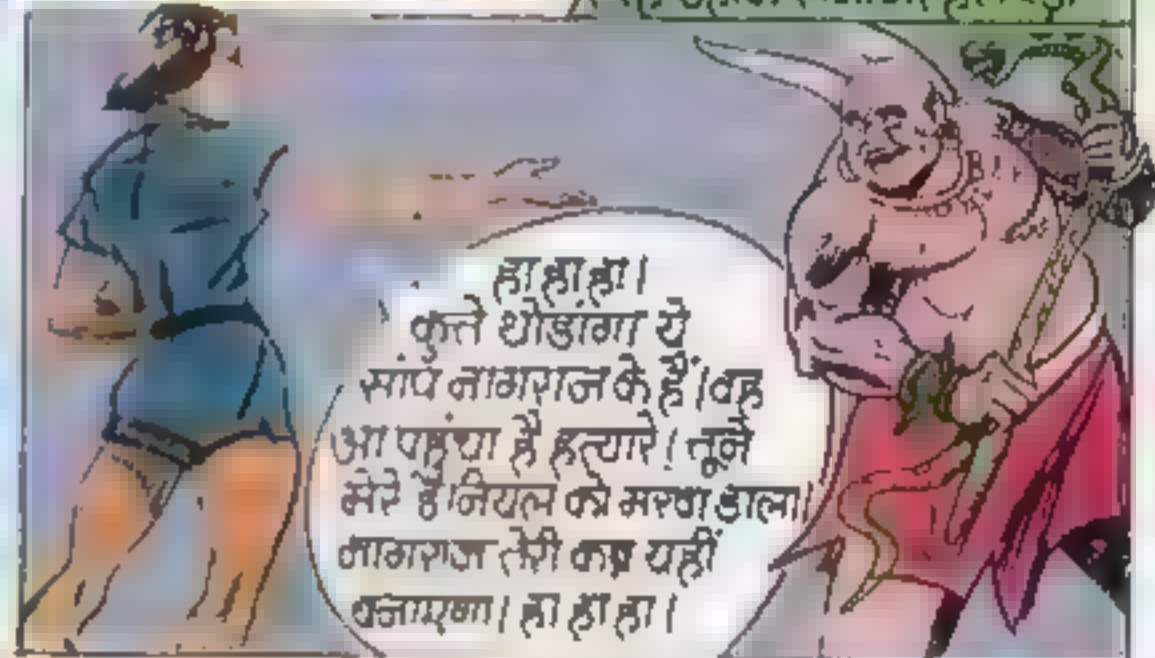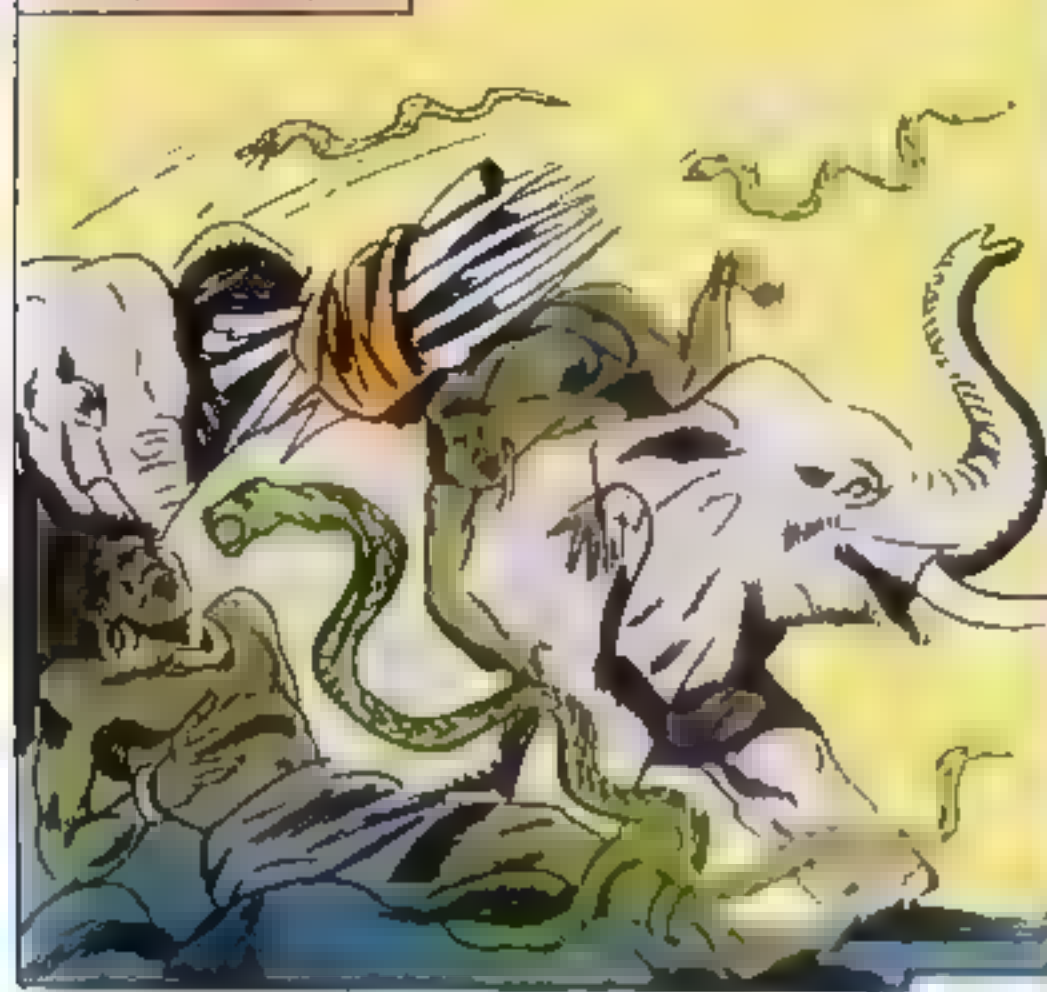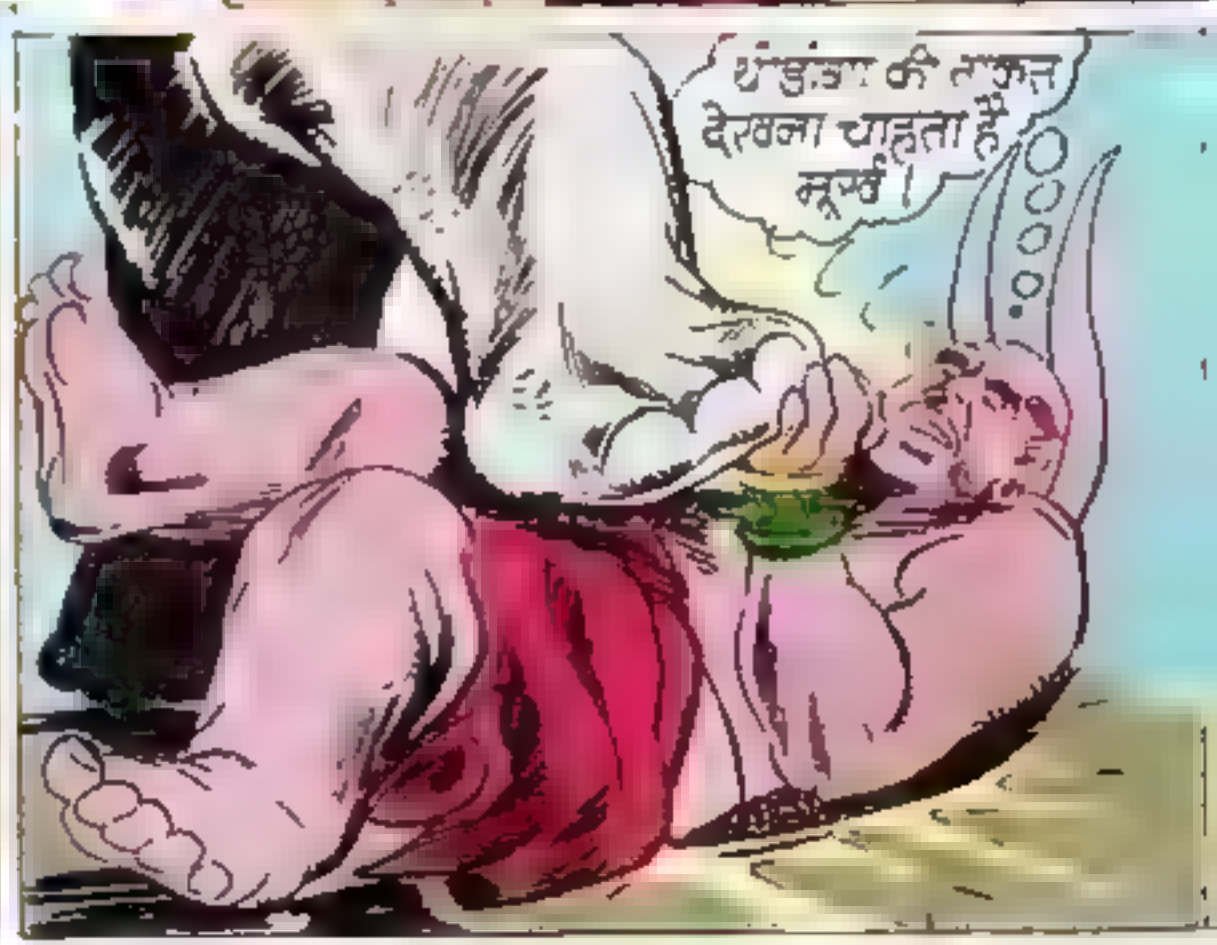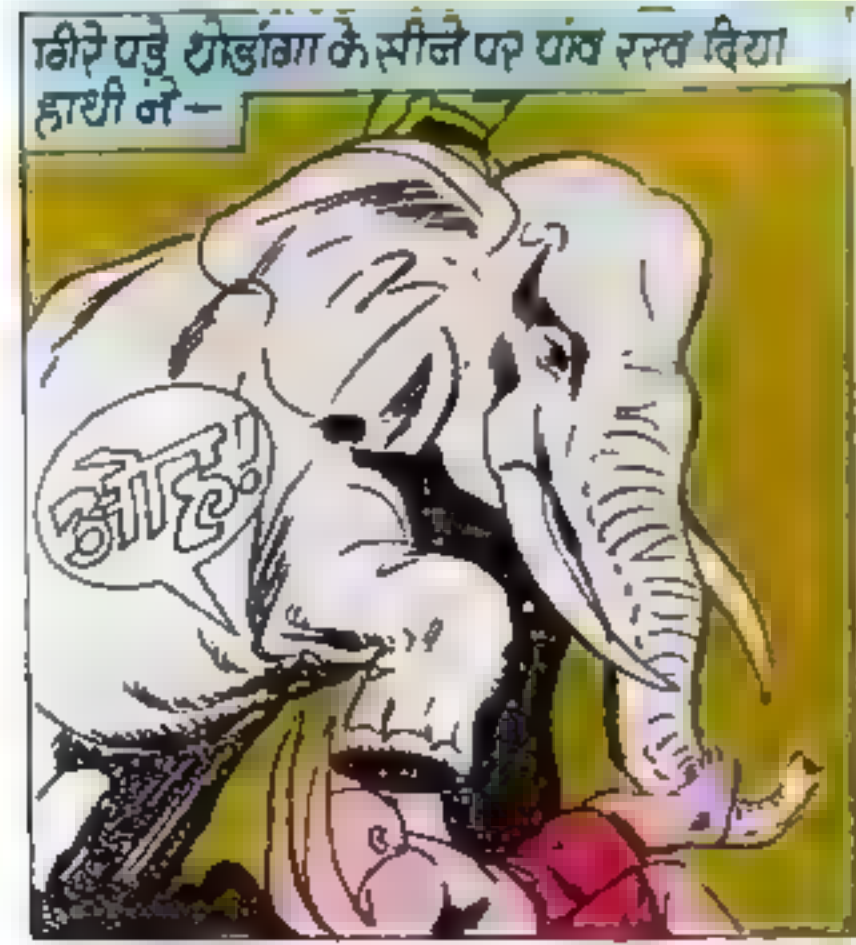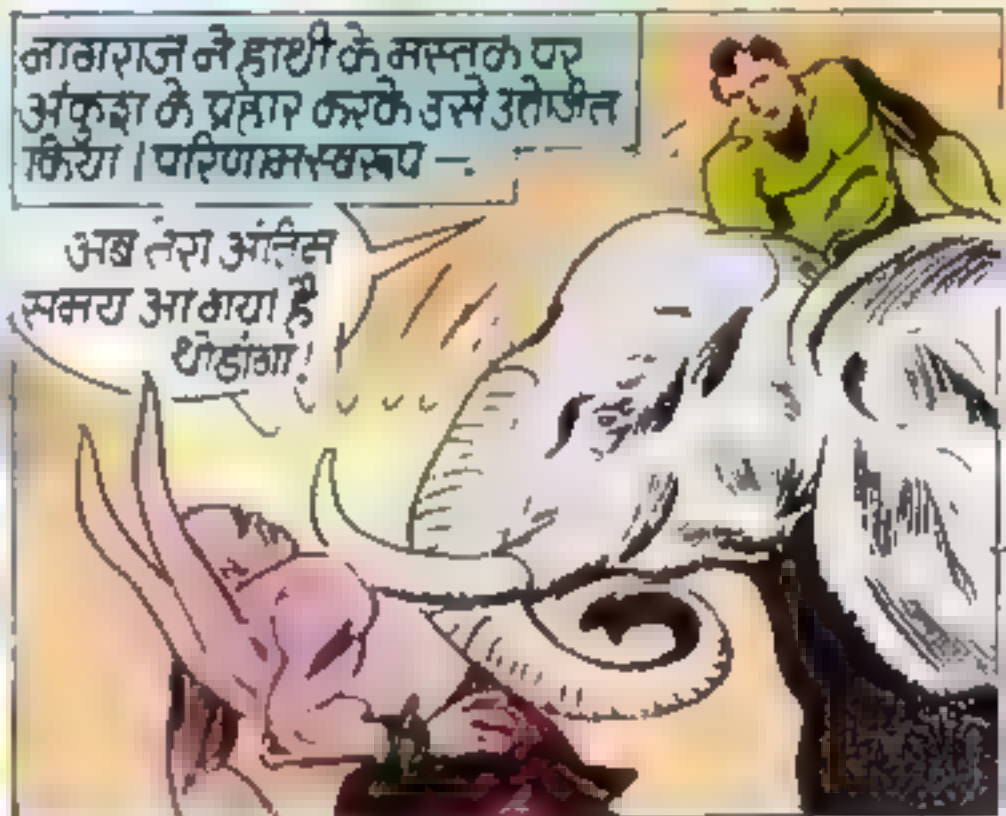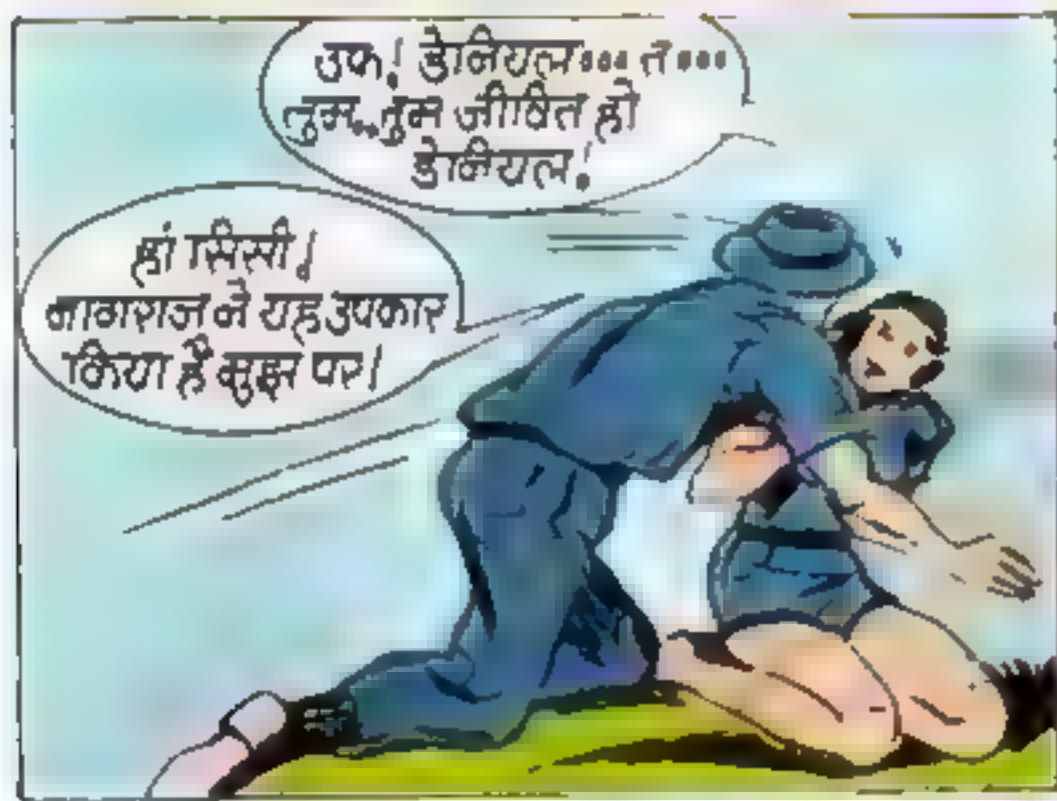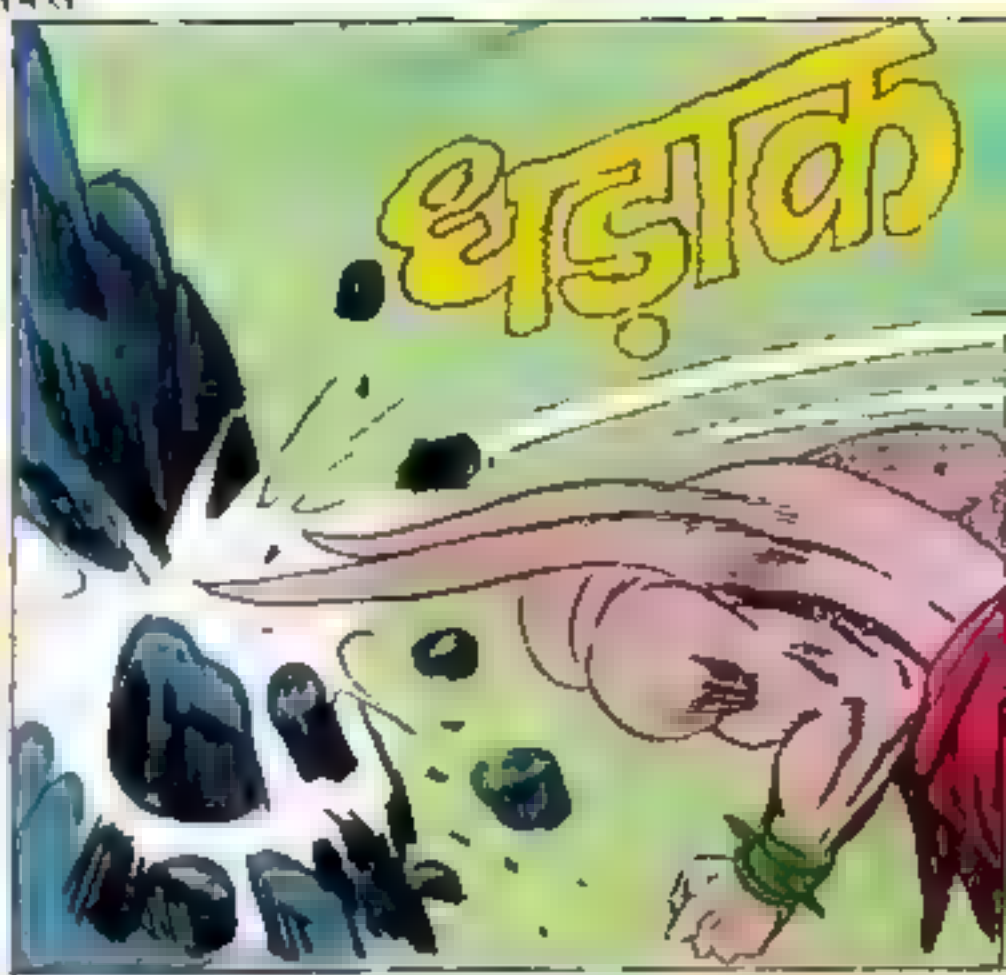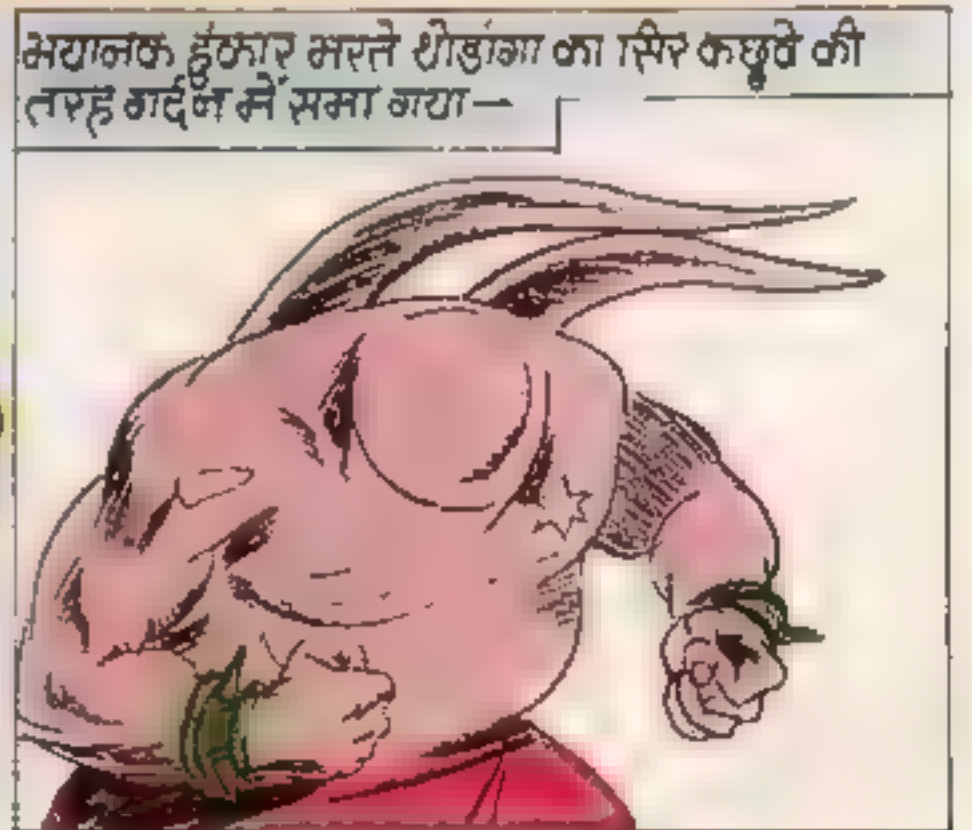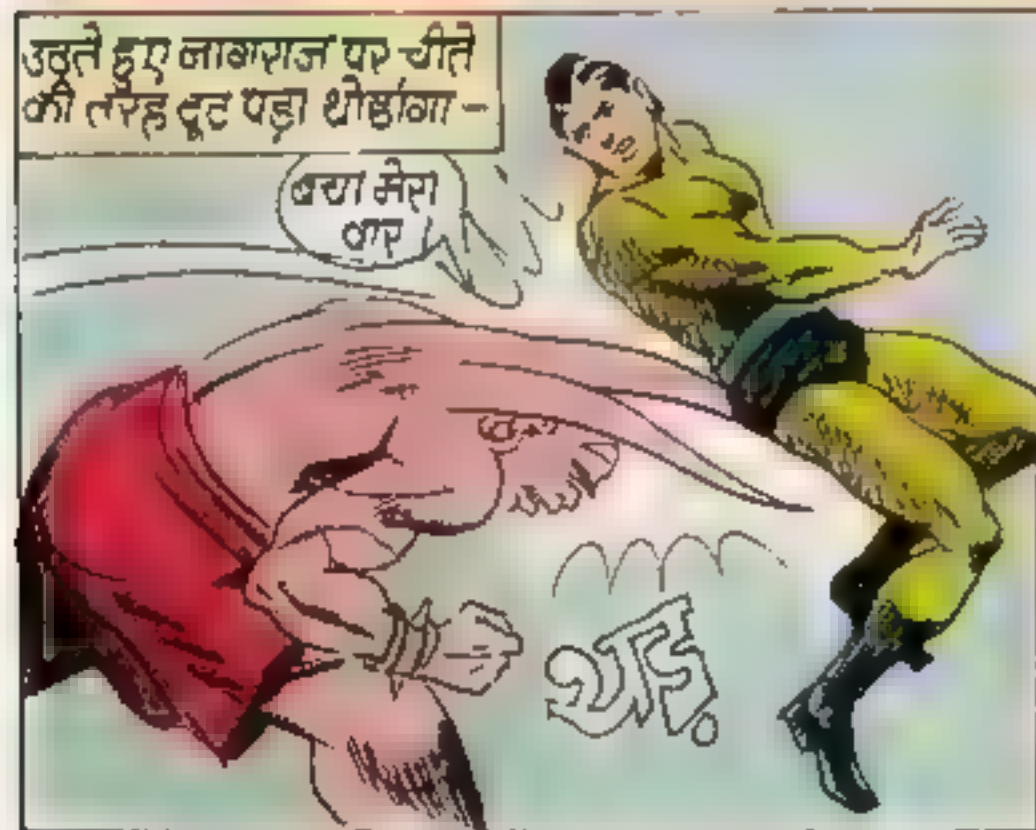
सम्राट थोडांगा! बचाओ! आह!
सांप ही सांप! ये सांप कहां से आ गए?
सांप

वह दृश्य देखकर तो उछल ही पड़ा थोडांगा —
सांप! यहां भी!
??

अगले ही पल सिस्पी पागलों की तरह ठहाका लगाकर हंस पड़ी —
हा हा हा! कुत्ते थोडांगा ये सांप नागराज के हैं! वह आ पहुंचा है हत्यारे! तूने मेरे डेनियल को मरवा डाला! नागराज तेरी कब्र यहीं बनाएगा। हा हा हा!

क्यों थोडांगा? अभी तो सैकड़ों टन खजाना पड़ा है यहां! इसे यहीं छोड़ जाओगे क्या?
ओह! तुम!

थोडांगा खूनी स्वर में गुर्रा उठा —
नागराज! बहुत दिनों से तेरी तमन्ना थी मुझे! आज तुझे खत्म करके अपने सारे नुकसान की क्षतिपूर्ति कर लूंगा मैं!

लेकिन उससे पहले मैं तुम्हारी इस चहेती को खत्म करूंगा!

थोडांगा की टक्कर सिसी के परखच्चे उड़ा देती—
सिसी ऽऽ
आह!

धड़ाक

उफ! डेनियल... त... तुम... तुम जीवित हो डेनियल!
हां सिसी! नागराज ने यह उपकार किया है मुझ पर!

नागराज ने हाथी के मस्तक पर अंकुश के प्रहार करके उसे उत्तेजित किया। परिणामस्वरूप —
अब तेरा अंतिम समय आ गया है थोडांगा!

गिरे पड़े थोडांगा के सीने पर पांव रख दिया हाथी ने —
ओह!

थोडांगा की ताकत देखना चाहता है मूर्ख!

थोडांगा ने पाव उमठकर हाथी को उठा लिया —

देख ले थोडांगा की ताकत! तुम्हारे जैसे दस के लिए भी थोडांगा अकेला ही काफी है!

फिर —

नागराज! अब तेरी बारी है!

ऐन समय पर नागराज नागरस्सी पर झूल गया, और थोडांगा जा टकराया हाथी से —
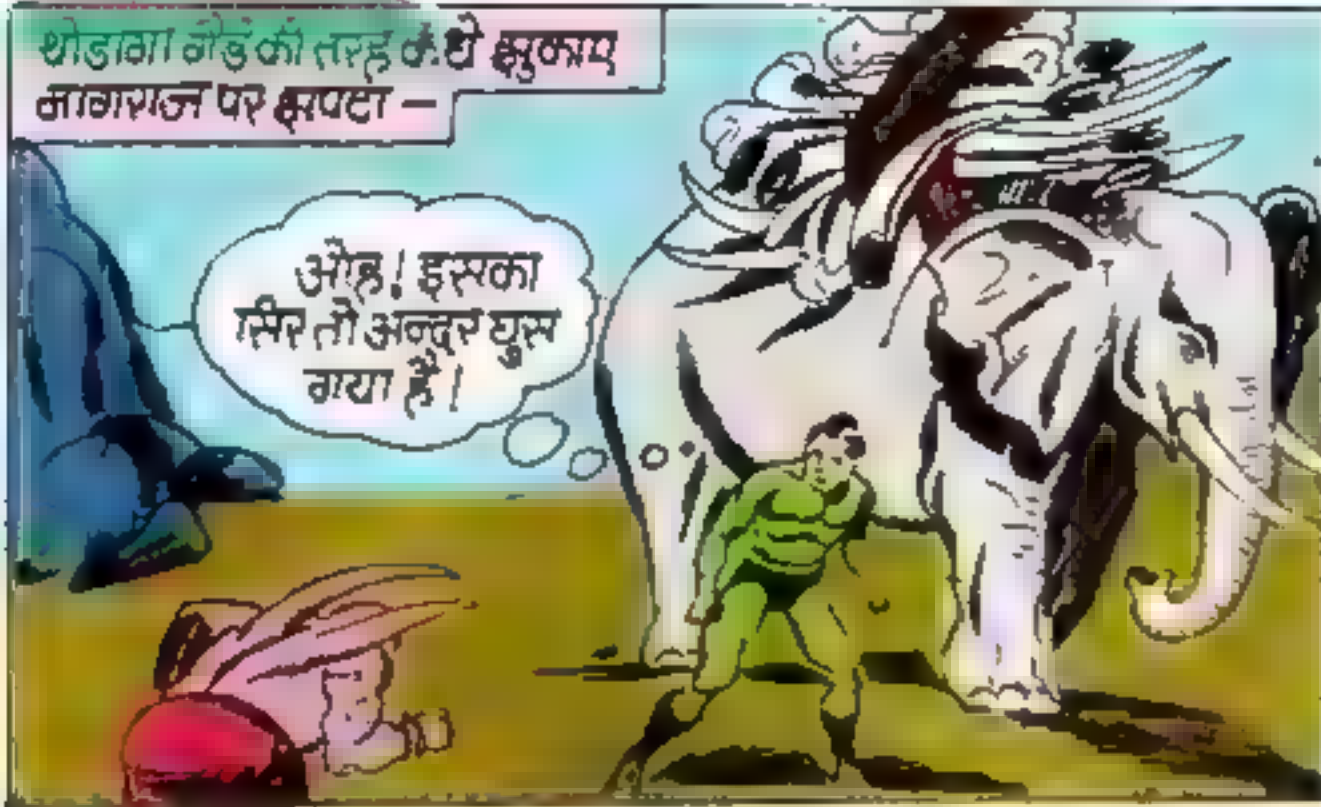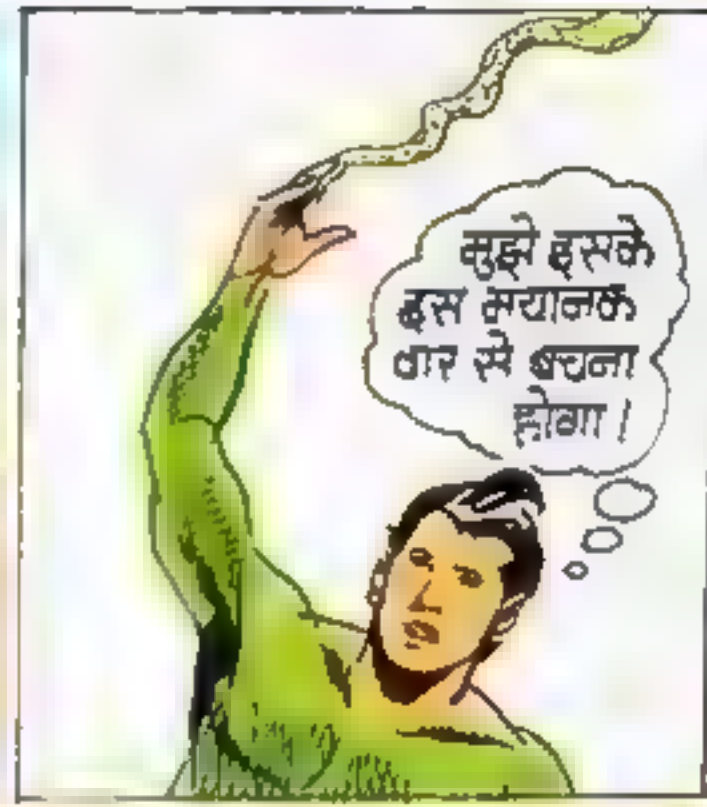
हाथी पर लदे हाथी दांत के खजाने का ढेर थोडांगा पर आ गिरा —
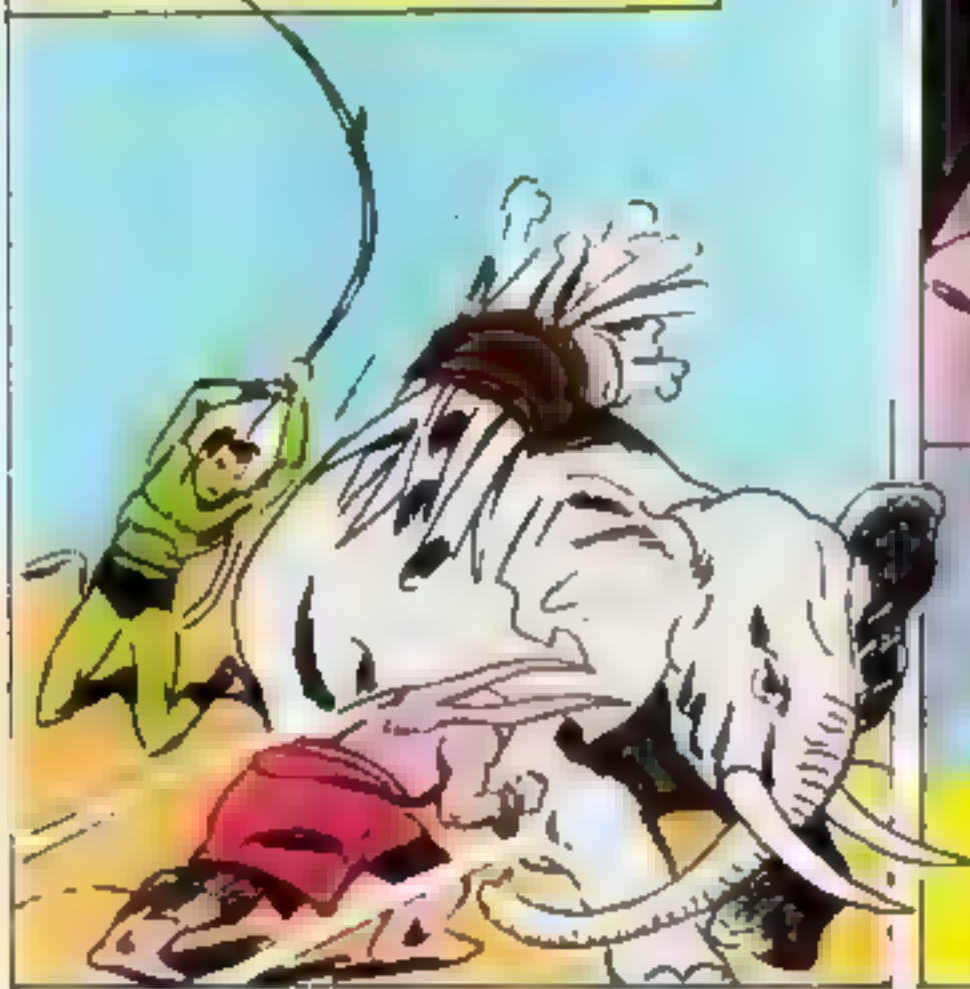
उधर नागराज व थोडांगा आमने-सामने थे—
नागराज! आज तुम्हें मारकर मैं विश्व के सभी महान अपराधियों को तुम्हारे आतंक से मुक्त कर दूंगा।
बेटे थोडांगा! मैं तुझे खत्म करने अफ्रीका के जंगलों की खाक छानता हुआ यहां आया हूं।

दोनों शैतान आपस में भिड़ गए—
आज तुझे कोई शक्ति नागराज के हाथों मरने से नहीं बचा सकती।

नागरस्सी थोडांगा की कलाई को नागराज की कलाई से बांधती चली गई। इसी पल थोडांगा ने नागराज को उछाल दिया—
ओफ्फ!

पर चूंकि दोनों की कलाइयां आपस में बंधी थीं, अतः थोडांगा भी पीछे गिरने पर विवश हो गया—

नागराज पुनः उछला, और—

थोडांगा भी उछलकर खड़ा हो गया। तभी—
धड़ाक
हा हा हा

धाड़
हा हा हा

नागराज की सर्पों की सेना—
हा हा काटो मुझे और तुड़वाओ अपने दांत।

ओह, इसकी खाल को सांप काट पाने में असमर्थ होकर वापस लौट रहे हैं।
नागराज बचो! मैं इस हथगोले से इसकी कमर तोड़ दूंगा।

डेनियल ने हथगोला थोडांगा पर उछाल दिया—
धड़ाम

अगले ही पल—
ओह! डेनियल की युक्ति काम कर गई! हथगोले से इसकी गैंडे की खाल जैसा कवच टूटकर गिर पड़ा है।
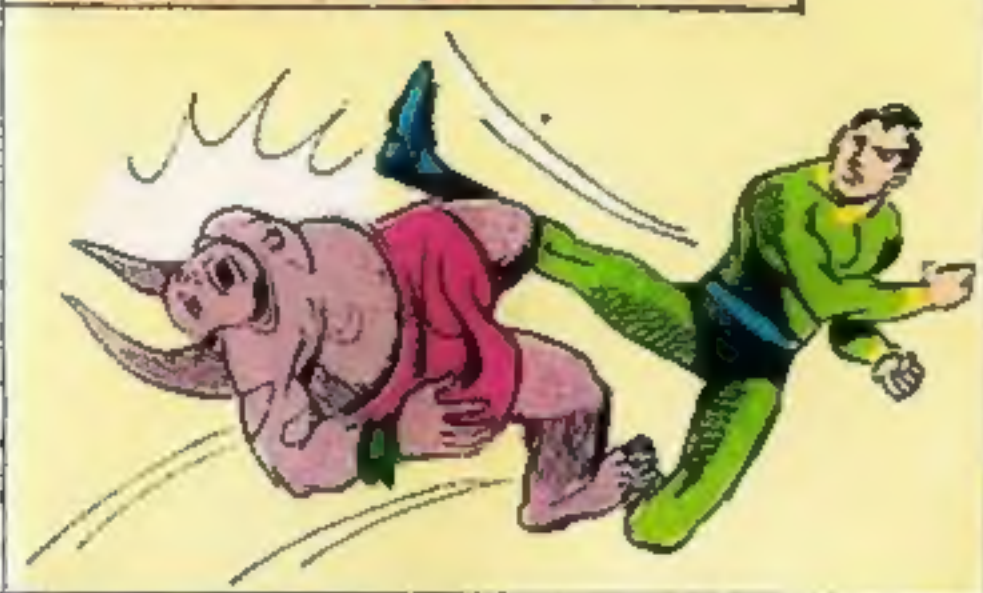
अगले ही पल नागराज हवा में उछला और—
फिर—
उफ! मेरा रक्षा कवच टूटकर बिखर गया है।! मैं इस घाटी को तबाह कर दूंगा। कोई नहीं बचेगा।
इन हाथियों के थैलों में गोलाबारूद भरा है, अगर मैं इस सारे गोला-बारूद को उड़ा दूं तो घाटी में तबाही आ जायेगी।
हा हा हा।
हा हा हा
धड़ाम
धूड़म
धड़ाम
थोडांगा! रुक जा हत्यारे! मत मार इन निरीह प्राणियों को।

मुद्रक : जागृत आर्ट प्रेस